माँ तेरी लाल चुनरियाँ

माँ तेरी लाल चुनरियाँ ओढ़, नाच रही अँगना तेरे में,
अँगना तेरे में, नाच रही अँगना तेरे में,
माँ तेरी लाल चुनरियाँ ओढ़, नाच रही अँगना तेरे में.....

ढोल नगाड़े बजे भवन में,
भर गई उमंग आज मेरे मन में,
रहूँ लगन में अम्बे काटूँ, जमके फेरे में,
माँ तेरी लाल चुनरियाँ ओढ़, नाच रही अँगना तेरे में.....

हे जगदम्बा संकट हारी,
भरी आपने झोली म्हारी,
खुशियाँ मिल गई सारी, रही ना दुःख के घेरे में,
माँ तेरी लाल चुनरियाँ ओढ़, नाच रही अँगना तेरे में.....

कृपाली तू मात भवानी,
जीवन की दी बदल कहानी,
तू ही सब कुछ मानी ना कोई दुविधा मेरे में,
माँ तेरी लाल चुनरियाँ ओढ़, नाच रही अँगना तेरे में.....

कहे भूलन हुई तेरी कायल,
बाँध लई पैरो में पायल,
हो जाऊँ चाहे घायल आई, तेरे डेरे में,
माँ तेरी लाल चुनरियाँ ओढ़, नाच रही अँगना तेरे में……

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29105/title/maa-teri-laal-chunariya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |